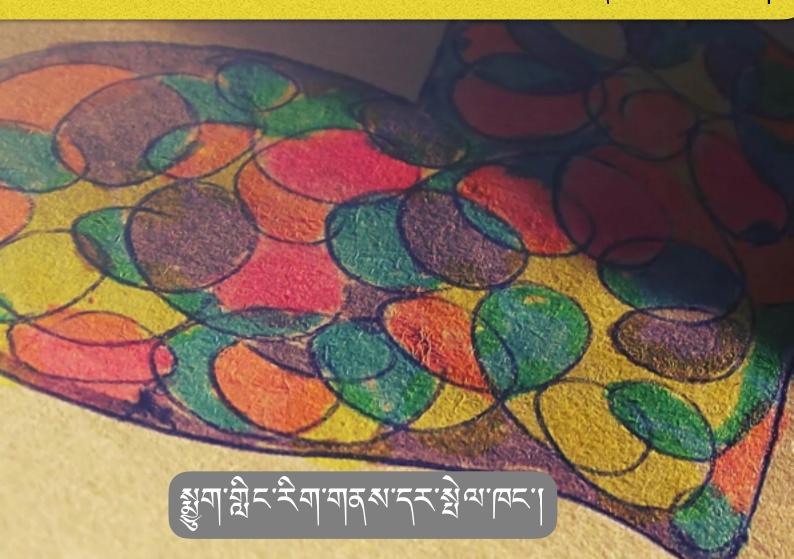


श्वायाग्रीः श्वा

वहें अन्वन्दन्व



क्रॅन'तु'नत्रे'नते'क्र्रा

क्. प्रमुन्त्रान्त्रान्त्राक्ष्यान्त्राक्ष्याः स्त्रम् क्ष्रात्रान्त्रात्राक्ष्याः स्त्रम् स्त्रम्

८. ब्रेट्य<<यव्यानेयाश्रेयाध्यानेयाश्रेयाध्या क्रिक्यः विष्याद्याः विषयाः विषयः विषय

2016-9-13-हेन हैं अप पर में भा

नगन'ळन

पठर्ॱ¥्रवायहग्रायायायेःभ्रुं'त्रुं।

ম্বাম্যান্ত্রী স্থা	7
हे 'तुन'ग्री 'सूत'म्म	
श्रेश्रश्चा विचारात्र तहतः या विचारा	9
ळॅट्र'सदे'त्र्र'मी'पर्टिर'म।	
वर्तिसःनवे से 'हेंग	
<u> </u>	
८.२८.ब्रिट.ब्री.सळ्थ.	
मळ्ब.म्.	17
क्षे ^ट हे।	
ব্যক্তব্যব্দ বিশ্ব	
शेसशःशुःखुरःनदेःसेग्।ः	21

यश्गुःभूगाञ्चन।	.23
ही'यस'सर्दित'दशुर'स।	
ळेग'मे 'दड्गिरा'इया	.25
श्रेमा कुदे प्दिमा हेता.	
ही'यशची'यहिया'हेव।	
ট্র্ ব্রান্ত ব্রান ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান্ত ব্রান	
सुव प्रदे प्रहेगा हेव।	
ম্প্রাম্ন ক্রি	
ন্ন্'5'ন	
[A·美和]	
· 1 1	

व व्या मी भ्रमा संप्रिति का	42
<u> </u>	43
ধ্বব্যব্দির্ম্ ক্রম্ম।	44
श्रूट'पशुदि'षि'र्देग	46
श्चे 'पळे 'हो 'प्यस'न्सर'में।	48
बे 'र्नेग'वी 'अहे अ'र्भुग'त्य'र्सेत्य'न	50

ञ्चन'र्सेअ'न'तुन'नी'नतुन'ङ्गा

विया यो दि वि वि द्याद स्व स्व सि वि ।	52
श्चेत्रम्याः श्चेत्रम्य	62
षाकुन्न्यन्दर्भेन्यमिष्ठेर्याग्रीन्ययान्यस्य ह्रींमिषेनानसून्।	70
য়ৼয়৻য়ৢয়৻ঀয়ৣ৾৻য়ৢয়৻য়য়৻ড়ৼয়৻ঢ়ৢয়৻ৼয়ৢৼ৽য়ৢৼ৽য়ৢ৻৽য়	73
यदे 'क्षूम'र्चे अ'ग्रम'अप'क्कु'सेप'र्देव'हे।	78
ૄ્યાયા અવ્યક્ત કે માના માના માના મુખ્ય મુખ્ય	80
র্বি-শ্রি-দেশ দের্গ্রি মানসিন্ধ শুমান শ্রুমান	82
र्ह्मेन अदे 'स्ट्रेन अ'न्ट'न्ने 'क्व'र्मे' 'यथ'न्नट'।	87
Ŋ:국F:전F:ᢓ̄. 원E:외	91
यःध्ययःयःस्यानदेःधेमायतुःनग्रमःसें।	
ग्रुः हे दे 'श्रेर 'श्रें नश् होर'न।	

শ্বিসন্ধানী,সু

हिंदिने दायी सूट नामास्यानिये। शेसशायान्त्रावि है हिते तह्सासद्दर्भा हिंदिने दाली यह गाहेत सह रामिश श्रेयात्यः व्याप्तये ः भ्रम्यस्ये से रहेगा हिंद्रिन्दे 'द'षे 'बे 'ख'सहंद'नदे॥ धेगासेरागरेनाग्री प्रदूरपदे प्रमुह्म हिंदिने दाधी है। यस वदायी। श्रे के नश्चमानि निया वत्रिं निते 'म' थे 'यश नगम वग में दे। षिलें श्रुर नदे नद्या यी हो द से ॥ <u> ॲंट्र्यर्डे</u> यासेट्र्यरह्मारहेट्या विवार्भावर्मायाई र्मासुन्यादे॥ मुःश्रेमायविमारायदःक्रम्यदःम्रा

2016-8-6-३ेन्।

ন্টি'ন্ডুন'গ্ৰী'শ্পুন'নশ্

श्चेत्र भारत्य स्ट्रा त्र भार्य द्वा श्चेत्र भारत्य स्ट्रा स्ट्र

2016-8-21३ेन्।

से अस'य'तुन् 'यदि 'यह्य'न तुन् स्

विन्ने न्वन्यः हस्य विने हिन्ने न्वन्यः क्षेत्रः क्षेत्र

2016-8-20-ঈব্য

स्निप्ति 'क्नामिप्ति में

न्त्रमः त्रुग्यः प्रदे कं न्या स्रुग्यः त्रुग्यः प्रदे के स्या। स्रुग्यः त्रुग्यं प्रदे के त्रु।। निम्रुग्यः त्रुग्यं के क्या।

युःक्त्यःश्चेत्रःश्चे

2016-8-25-हेन्।

विष्यं निष्ये के विष्ये के विष्ये

क्षे. त्यस्र न्यस्य स्थ्र त्या व्यास्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्र त्या व्यास्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्र त्या व्यास्य स्थ्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्य स्थ्य त्या व्यास्य स्थ्य स्

यश्यी से 'हेंग' से म' से स्था नसम रहम स्ट्रेम मी 'न्यीय नसा याडेश'सदे'हसश'द्द'यडश'हे॥ इव'सदे'लें ह्युं चे'दुश्या धेया'वश'यहें क्वय'वया'दर्शे।

2016/7/8/ঈব্য



ই'ৰূব্য

इव्यये वि. ह्या है। अस्र श्री में अर्थ है। इवाय कुष क्ष्म हि. से यन्।। इं. से दे से सम्याम सम्मेन्।।

यन्यायये हेन न्याये होना। येययाया ज्याया चे मार्थे मार्थे यार्थे म्यायकमावि यो मन्।। यार्थे म्यायकमावि यो मन्।।

गहेन क्रेंन सहिन क्रेंग्से से से हारा। क्रून रूप रे क्रिन रूप रे से से से से हा प्रविद्या। जुर्द र से रे से से से हा राष्ट्र र उर्द से र जुर्म र स्वा र्ने निर्मा के निर्मा के

2016/7/6/ঈশ্য



अळव'ॲ'वरी

हिंद्दर्द्द्र भी सक्त सें।

हिंद्दर्द्द्र भी सेंद्र स्व संप्य प्रदूर है।

हिंद्दर्द्र में सेंद्र स्व संप्य प्रदूर सेंद्र है।

हिंद्दर्द्र में सेंद्र सेंद्र सेंद्र है।

प्रव संप्रदेश मेंद्र सेंद्र स

हिंद्दर्द्दर्ध अळव् रेश्वा क्षेत्रय विवासी होद्दर्गा। क्षेत्रय हो प्रति स्वित्या क्ष्र्य प्रति वासी क्ष्र्य प्रति वासी

2016-7-5-ঈব্য

क्षेत्रंके।

स्वतः भे किंगा ति श्वाधिका श्वादिया । क्षे श्वाद्य स्वतः स्वित्त । स्वतः क्ष्या विया प्रभा। स्वाद्य स्वतः स

वि'ॡ्येन'न्न'भे भून'अ'भ्रेन'नुन

दर्विमः निर्वे से स्वाम्य स्व

बर-मी-मालुर-५-१विध्य-नदे॥ धेर-ग्री-माउंद-नेविः देगाय-शु॥ वर-नविः श्वर-स्यः श्वेत-इग्॥

है ब्रुटे दें न यश ग्रायय मेना

श्रेत्रायम् अति स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स

अस्यते से क्रिया प्रयाप्ति। श्रेत द्वा से ज्ञा प्रयाप्ति। श्रुप्ति से स्वाप्ति स्वयाप्ति। स्वाप्ति से स्वयाप्ति स्य

2016/5/24/ঈশ্য



से अस'सु'ञ्चन'नदि'अन्।ङु।

रवि: श्रिन्शी: रुश्यायि विद्या । रुश्या क्षेत्रा श्री स्वेत्र स्वेत्र स्वेत्र स्वेत्र श्री । र वि: श्रिन्शी: सके वः सवे: नर्स्शी। क्ष्रिंग क्ष्रिंग विश्वायः नवे: भी क्षेत्र।

रने हिंद्गी से त्यस्त्रम् । क्रिंद्र में से त्यस्त्रम् प्रमास्त्रम् प

र ते 'श्चिर शे 'श्चेष वार्य व्यवस्त मी।

यार्य प्रति 'श्चिर शे श्चेष वार्य व्यवस्त भी।

र ते 'श्चिर शे शे वार्य वे 'वर भी।

वह व 'थे 'या बुवार्य रे राज्य श्वेष थे वा

द्वे हिंद्शे क्ष्य अदे व्दर्भी र्वे हिंद्शे क्ष्य वित्र अदे द्वे से प्येव॥ द्वे हिंद्शे के क्ष्य व्यक्ष व्यक्ष ये॥ महर्वे अहित पदे महर् वृत्र अप्येव॥

2016/4/19/গ্ৰী



यस'गु द्वेन द्वेन।

शेस्रश्रान्य स्वापित प्रीत्र स्वापित प्रीत्र स्वापित प्रीत्र स्वापित प्रीत्र स्वापित प्रीत्र स्वापित स्वापित

रे-र्ने ग्राट-तुःश्रूशःलित्।

2016/4/21/ঈশ্য

क्रे'यअ'अदेंब'शुर'अ।

शेसस्य शेसस्य प्रति स्थान्य न्य स्था न्य स्य स्था न्य स्

न्वायः श्रुद्धः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य

2016/4/3/ঈশ্য

ळेन'ने'नहुनस'ल्य

केर अदे अं र्हेग नवि प्यदे प्रदेश है न है व न न केर जिया केर जिया

न्त्रम्याभ्ये स्वर्ण्यायायायाय्ये स्वर्ण्या क्षेत्रण्या स्वर्ण्यायाय्ये स्वर्ण्याय्ये स्वर्ण्ये स्वर्ण्ये स्वर्ण्ये स्वर्ण्ये स्वर्णे स्वर्

र्थे क्रुशक्तर मेश शुराय देश मर भेर क्रिशक्तर में क्रिशक्तर में क्रिय क्रय क्रिय क्

कुःश्रेःक्ष्याःमद्रेःन्यद्रःश्राःस्यः। यार्व्याःक्ष्यःस्याःयश्चित्रश्चरःश्चेदःयञ्च। योर्व्याःक्ष्यःस्याःयश्चित्रश्चरःश्चेदःयञ्च। योर्व्याःक्ष्यःसद्वेदःस्याः योर्व्याःक्ष्यःसद्वेदःस्याः योर्व्याःक्ष्यःसदेःस्याःस्याःस्यः

सुन्न प्रति प्रस्ति प्रति प्र

2016/3/26/ঈশ্য

अन्य ख्रियन निमानेन।

क्याकुरायात्रीत्रीयायात्रीत्राहेत्यायात्री। क्याकुरायात्रीत्रीत्रीयायात्रीत्रीयात्रीयात्री। क्याकुरायात्रीत्रीयायात्रीत्रीयायात्रीयायात्री। क्याकुरायात्रीत्रीयायात्रीयायात्री

यश्राणे हुर व्यापकुरास्य वहत्त्व स्वर्म्य वहत्त्व स्वर्मा अवा असे के प्ये हुँ व से प्यन्त से या से या कि स्वर्म के स्वर्म के

श्चित्रवान्त्राः सुरायाः सुर्वाः स्वर्याः सुर्वाः सुर

स्वार्धित्र मित्री स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य

য়ुर्द्र-ग्रम्थयः नदे -द्रम्यः ग्रम्थः सर्वे से प्यतः ।।
कुः श्रेवः सर्वे -द्रम्यः ग्रम्थः स्थः कुः स्वा
न्द्रे -प्रदे -सर्वे सः न्यु सः न्यु ग्रम्थः स्थः कुः स्वा
सर्वे -प्रदे -सर्वे सः न्यु सः न्यु ग्रम्थः सर्वे नः श्रु यः व स्थ।।
सर्वे -प्रदे -प्रस्थः सर्वे न्यः स्थः सर्वे नः न्यु न्यु ।।
सर्वे -प्रदे -प्रस्थः सर्वे नः न्यु न्यु ।।

क्रि'यअ'क्री'यहिना'हेन।

क्रे 'यय 'द्यम्'र्से 'विया'यी 'यम 'त्या हा। इव्याध्य विया यो या उट के विया ग्रह्मा स्वाया श्री व्ययमा श्री से किया बुद्या न्युनःहरःगठेगः हुः श्रेयः नविवः सर्गे मातृगावशा कुःत्र त्रः ग्रा त्रुग्र ग्रा न्यः त्रितः स्रे र ग्रा न्यः से या। यदी वर्षा तु पाहे रार्वे र कु प्रविव र र यदी राष्ट्र वर्रे वर्षा इत प्रवे र्दे ग्रामा श्री सहव श्रुप्ते वा यदे वर्षः श्रें या र विवा यो प्रतु यहु द यही। वरी वर्षा श्री र सूचा से व्यय सहस र से या। यने वर्षाणें न कर यहें सर्भायते स्वार्विण स्वा ने वे प्रप्त हिंद शे प्रभुष प्राप्त भी ने के के निक्रम्य प्रवास्त्र पार्वे या विष्य कुर धिवा। गर्रेव र्या श्रम्य अराउट पर्टे अराय दे से दार प्रेव। नि'रुषाक्रमानेषायस्य भेराये विष्

2016/5/10/ঈশ্য

व्रिन्गी 'यन खें'न्न 'न वि खें'न न न

यदः क्रेंद्रिः यद्वास्यास्यः स्टार्क्ष्यः यद्वा । द्रश्रास्त्रे श्रुः क्रेंचार्यास्य क्रवास्य स्ट्रिंद्रः यद्वा । द्रशः स्ट्रेस्य स्ट्रिंद्रः विद्याः स्टर्स्य स्ट्रिंद्रः यद्वा । द्रास्त्रे स्ट्रिंद्रः विद्याः स्ट्रिंद्रः यद्वा । ।

द्याः प्राचित्राः स्थाः स्थाः

विर्ग्धः अहे शःश्वाः विव्यः शः विश्वः विश्व

चर-भुःमे हेश-स्यापि स्रूर-प्रमुः विगा

र्कें स्वतः यहितः व्याप्ति स्वतः स्

त्रः के श्रेना गश्या थेन प्रहेत न्याय सम्भित्रा त्रिं श्रेन से सम्पाश्या श्रेम श्रिन श्रेण प्रम्या श्रिम श्

न्त्रीं न्राह्म से न्या से किया स्था से विया विया स्था से विया स्था से विया स्था से विया से विया से किया से क

वर्ग्रेवासायम्सास्त्रम्यसासुःधीःसुँग्रासासुःवर्र्भुः

श्री श्री त्या से ख्री विष्ण विष्ण

2016/2/20/ঈশ্য

सुन'नदि'नि ने ने न

श्चित्र सुद्दः याध्ययात्रात्र श्चित्र स्वर्था।

श्चित्र सुद्दः याध्ययात्र स्वर्थाः सुद्दः स्वर्थाः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्धः स्वर्थः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्

कुर-तुश्र-त्यःश्चीश्रःथ्या-तुश्र॥ श्चेर-तह्याश्चर्रियः नश्चर्त्यः नश्चितः व्यः सर्वेदिः न्यः स्ट्रियाः श्चेर-स्ट्री॥ क्षः ने : श्चुयाः सेदेः कुतः नेद्र॥

> श्चनारु सम्बद्धाः में में श्चित्।। सुद्दान्ये प्यान्य सद्द्वरूपा श्चे से मास्त्र प्यान्य स्थित्। से ना स्कुला मार पुरान्य स्थित।

ळम् सुमायम् वश्यः द्वायः विश्वाः सुमायः स्वरः म्या स्वरः स्

इव्यये से श्रुवा वर्ष राष्ट्री व व श्रुवा वर्ष के स्था वर्य के स्था वर्ष के स्था व्या वर्ष के स्था वर्ष के स्था वर के स्था वर्ष के स्था वर्य के स्था वर के स्था वर्ष के स्था वर के स्

क्रिनात्मः तस्य व्यापान्य विद्यान्य स्था। क्षेत्रात्मः विद्यान्य स्था। क्षेत्रात्मः विद्यान्य स्था। क्षेत्रात्मः विद्यान्य स्था। ही त्यस्य न्या स्वया सक्स्य स्था। नविन्द्र त्यन्द्र त्यन्त स्वया सक्स्य स्था। नविन्द्र त्यन्त स्वया सक्स्य स्था। कु सिंदे त्या विन्द्र त्या सक्स्य स्था।

2016/5/17/ঈশ্য

से अस'ग्री'वि'दें

हिंद्-स्ट-इक्-सदे-श्रेस्यान्स्य-सं-धिक्।। हिंद्-स्य-त्वद्-सदे-श्रेद-यान्स्य-सं-धिक्।। दाधी-श्रेया-कुदे-यि-द्या-द्य-सं-धिक्।। श्रेस्य-श्रे-त्व-इम्स्य-स्य-स्-सं-धिक्।।

हिंद्र-र्द्राच्या यदे के त्वा वया से रेट्रा

र्चिन्द्र-ज्ञयायदे स्टिन्द्र-ज्ञयायदे स्टिन्द्र-ज्

77757

यसमी मिर्ने वा तशुर नि ने मेर विवास समा कर वेष विषाविषाविष विष्णु के त्या प्राची विष्णु कर विष्णु थेर्गीर्गीयर्भुष्यपदेर्ग्नुर्या क्रे'यम्यान्यो सम्यायान्य विद्वारम्य क्रूॅन'सें रेने र रेवि क्रूंट'मी लेन कग्र र सर रें।। वशुराना विष्युया विष्युया विष्युया विष्यु रे नदे न्र व्याक्ष्य क्ष्य न्य्या राष्ट्र न्वें विर्माणन्यो प्रमास्य विर्माण्य विर्माण्य प्रमा व व्या ने ने वे वर यी द्व या दूर क्षु ने ।। बे 'हैंग'विग'गी 'यर'र्'यहिय'त्र रार्धेर'र्या। यास्तरायायाधीः श्वरात्रशास्त्रम्यायायिताधीराद्या। ग्रहर में दे थे दरद्रश्यत्र राविद थें दर्या श्रेरामी सहवासे नुसानवितामित्र न्या भेरान्य।

शेसराग्री सर्वे त्राच्या प्रानेश समाम् शे। इव्यये से वेदिन्य मान्य के विकास से विद्या मान्य विद्या मान्य के विद्या मान्य के विद्या मान्य के विद्या के विद्य के विद्या के श्रेया कुते । तिर्देया वया में अर्घेट रस्य श्रेट है।

2016/4/7/গ্ৰী

ዻ፞፞፞፞፞፞

क्षे 'यय 'द्यम्'र्से दे दे वे व क्या य व या से 'मे द्या र्कें र न न न में दि ले न क न र म र में र र र । नगर रेदि लेव ळगश शुर् रेदि श्रुव प्रगरेत्। श्रुव रया केया यो रवश्चाय पर नुहर राया राया से द्या

श्चिं नदे से सम्मान स्थान में निष्ठ में ना श्रेया कुते प्रदेशाहेव प्रशामी यहे पुर मेन्। नहें दूर द्यर द्या वश्य श्री व्यव पर्षे या से द्या

ल्रिन्यः सेन्यः यह निष्यः सूरः सेन्।।

भे खेंदे सहे अध्यान्त्र अपित के स्थान्ते के स्थानित के स्य



व 'तुना'नी 'ञ्जना' अ'नि व 'स।

विवायम्बर्धः इव वार्ट्रायो श्रुवा श्रुव इव इव ए विवाय हे भेगावशः र्र्भे नार्द्राची अके अवे वेद्रायद्रायके राविद त्तुःश्रॅग्रासेट्रपदेःसरःरेश्रायःनव्रुःर्वेर भेगा कु ने श यो मिर न य ही न विद यर क्षें प्रती निव बे र्हेग्गग पहिमा हेव प्रश्चे प्रविद भ्रे लक्षप्तरमे ना विष्युक्ष की नुमक्षर स्वाक्ष हिंदायाञ्चन षर्याची प्रयान से रे स्वानी सेसमाराने पार सूर से प्राय सक्रानुः सः नुः सुर बर कर मदे से ज्ञानी से समान वशेषार्वेर वर्शेर्वेर व्रार्वेर तः त्रुगाः मीः धेनः ग्रीः ग्रहः र्वे रगरेग ग्रे अंग द्रश्र प्रम्न निव क्किंग्नियाना अधियान्तु त्या अवन्याव्य हिंद्रायाञ्चन

ननेन'नेन'ङ्गुन'सुन्'डेन

व्यासुर दर निर कवा केंवा रे दवाद दर वयः ह्यः क्रुः र्वे । वा न्या यया रे । यद्वा । वयःप्रचायाचीःभिरःस्र्राद् र्या. इ. श्रयायदे । इसाह ख्र्या से विया ५८ । विसास्याक्षास्य सदान्याः क्रेट विट वेट प्रये स्था मुल क्रेट पि:र्नेगायर सेव उव छी। वि से प्रमास स म्यान्य सम् हेर्'र्जे प्रविच'नविच'पर्ग वैनः हुः नुर्धे नः नः ग्रवशायदेवे इत्याय हैं राधा শুন'ব্যানুব'ঘ'র্ষব'র্ষান্বরমা **८.४.४६४.४४.४५५५५५**

2016/3/25/গ্ৰী

अुन्यदे'वञ्जाञ्चनका

न्नदे आर्थे म्यू रासे खेदे वग्रारायकेन्यविद র্ক্র্যাস্থ্রাস্ব্রাস্থ্র द्ये प्रहेषा हेव प्रनर दप्रे.झे.जस.लट. र्श्वेनरेवे अगुवार् विष्ट्रत्र स्रवतःस्रेन्।स्रवे स्राप्तः न्त्रीन्रासु दसुर'याहे बन्दर्भे । वर्षे व । प्रमानिक । कुर अर्दर गुरेश सुग श्रुंगुर-५८-ई-बर ব্রদ্রাবার্যার্যার্যার বি गर्भराग्ची किंगा बेट इससा ग्राट रेस्रानविदाराद्रायाद्रसा

वगःरेटःरुःवस्ररःवःहेः 子:美利:下: क्षे प्रचार्या श्री श्री र र के र देवा है। वर्मःश्रेवाःश्रेवाः यदःवेदःवेदः श्रेग कु विं य विं य इ. दर्च दः नेवा नेवा म्रद्धः श्रुवायो पिःकुःश्वःकुःकं नःसे नःसे ना पि.पर्चिश.र्टर. श्रु'दश्रम्भ'त्रुद्र'निव ग्रवशन्र म् भूग

2016/4/2/ঈশ্য

স্থ্ৰ**্**বন্তুনি'বি'ৰ্ন্

मुःशेःम्दःग्रिग्व्यश्वश्रंश्रःग्रिः ८.२८.बुट.बुट. শ্বস্থান্য ক্রান্ত্র सह्यानश्चानवे प्राप्त हों प्राण्डी से रहें। रे वेदे दर खे दर म्रुगानी मर्नेगाना लाय है रा श्च्या पदे स्रीया वियाश ५८. वश्वानी दः देखावहेशः श्चु अदे 'यट स्ट्रिं 'त्ट वहवाधी द्वारी यात्रावहेया beerर्वेरःग्रारःयश्रासकेरःभवेः हिंद्र-दर्द भी नहें द्र श्चरः wr. beer र्चरः ग्वरः ग्वरः ग्वरः भेरः ग्रवश्रुप्रमुख्यवि दाद्दा हिंद् ही सहवाव है। न्व्रस्याव्ययः क्षे सुसारान्दः

मुन्द्रवागुः वेदार्वे त्यायदेशः इव्यातुराची क क्रुवशद्रा 5. पर्चर ग्री श्री मा कु पा पर्देश सने तुर्याग्वण मदे स्ट्रीट भारत सुर्यान्य निर्माति । बुगानि ने राया वहे या বার্ত্র-রিই-রুনমান্ত্রমান্ত্রনামরি-র-র্ हिंद्रगी से यस শ্বস্থ্য আর্থন বিদ্ধি ক্রন্থ শ্বু দ্বি नाश्राळनामिर्देरानदेग्दान्तिन्गीःरेग्ना इसानेशसेन्यते रुगमान्तः रूरानद्याः सेदासदे रूरासायाय है सा कुर नुषान्ग्रेयानदे रेया के प्रा श्च-प्रशासनामितः श्वादाः स्वाद्याः स त्रेतुशःस्तायदेःश्चेंगुरःद्रः श्रेटर्निवेटशर्यदेर्न्ज्ट्रश्याययः श्री-र्सि-ब्रद्दान्यः यहे यः

2016/2/15/ইব্য

क्रेप्य अप्य अप्य

शेसराग्री र्श्वेट र्से देवे व्यन्न साम्सरा দ্রান্ত্রী মার্টের মানুমা इस्र ने राग्री पार्ट्या इसराग्राट रेस्रानविद्यासायासूर विगात्रगानी अपविधानदे कु अर्के ने प्यान প্রু'ন'ব্দ'ব্দ'নতথার্স্তম'র্কেম'নই' <u> নুর্নী নমানুষ্যার্থা</u> विश्वास्यायपुः श्वास्त्रात्रात्रात्रा বর্ষারাদ্রের মান্ত্রী ব্রাদ্রার্ক্র বর্ষা वश्चिम्यायान्वेत् सर्वे वस्य सः न्यायाः न्यायाः ने नुष्याद स्त्राने प्रके नवसायदा विग्रयासे स्रे सामाधित मिर्नेमा'रा'ध्रव'रावे 'वर्नन'स'वम्रा'र्ग्नर'त्र्र वस्राष्ट्रेर नर्जे तुरा

गर्गाः इतः श्रेशः सर्वः वशः सर्वः रः

नर्क्केट्र-नविद्य-प्रदे खें ह्य-देश

लट्रिंस्प्रें में क्रिंस्य में श्रास्त्र क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य क्रिंस्य

इ८श्रास्थाविः स्टान्यान्याः

यहेगान्हेव मानव ने ना मुः करा र्शेटः

ने नुशाईन सन्ने भी याप्य यापन साविष्य या से भी ना सेन

2016/3/17/গ্ৰী

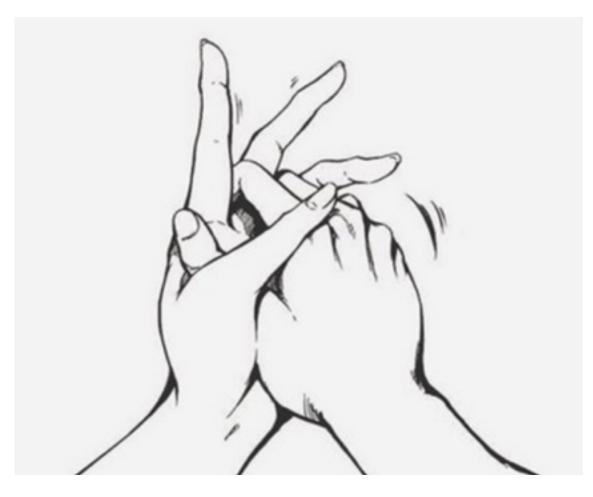


अ'र्नेन'ने'अले अल्जाय'र्नेय'न।

बे 'र्नेग'यर्ने 'य' श्रुव' क्षेव' श्रे 'श्रिव' किं रा' श्रेवा' थॅर्प्स दे से हेंग परिश दवे व्यन्याचे वा से वा हे वा हे वा निर्मे वा यर र्कें प्रदः वर्कें पाद्यः वर्के प्रदः र्के पायः थॅन्कंन्वरायेन्कंन धैर:इव:ग्री:ग्लॅंदाय:विव:श्वा यदी खात्रामान्य निया धेर यरे 'या गाइस क्रूर गावव 'वेगा थें र' यदी 'त्य'द्यात'र्से रायावत विया'र्षे द यदे 'य'र्कें मः श्रूमः गाववः विगाः थें मः बे 'हेंग'वरे श'र'या हेंद 'चवे 'अवर'या हेंद' বর্দ্র শূটি প্র প্রদ্রে ই धीव'धार'र र्श्रेव'स'वर'नविव'

त्रेते अहे अन्यान्तः है नव्यान्यः हिनान्ये है सक्तः से हिनान्ये द्रिम् स्राम्यः विनास्रेतः प्याः द्रिम् स्राम्यः विनास्रेतः प्याः द्रिम् स्राम्यः विनास्रेतः प्याः द्रिम् स्राम्यः विनास्रितः प्राम्यः विनास्रितः स्राम्यः स्

2016/3/21/গ্ৰী



व्रग्दे द्वां निव प्रमाय व्यव द्वां प्रमाय

न्यायः स्वरं सं ज्ञरं ते रन्य तुरं न दुः या देया रावे : श्रुं वर्षे /१६८१ वर्षे रः इसः नेशक्षिः र्रेट्ट मी से र से गान्या श्रेवाःक्षा दःवर्तेन। वहेवाशःभ्रुवा श्रूमःश्रेवाः विन्वशःनःवर्विनः सम्यः ळग्रा वें रे र कुषर्वर भू भेर प्राप्त प्राप्त विष् सर्दिन् नर्सेन् वसार्या यहत्या है सारी हीं हीं ही रासे समाया सुसाया हराया मुल'रेंदि'सदद'बद'द्रद'र्स्ट्रेनस'दर्जेर'सेर्द्राक्ष'मुल'रेंदि'स्सर्भ'ग्रे'रेंदि' ने 'वे 'क्षे 'यय रंय यय रे 'वे ग'ने वे 'र्से ग्रय शु'ग्रून पान्त प्रया हैं ' यशन्रेश्यायायग्यायायविःश्वेरःश्वेतशन्रःश्वेतश्यायश्चेत्। ग्रायम् अर्द्रायम् वर्षे या अर्भ्यम् यर् विग्राक्षेत्रया अष्ठ्रस्तु से व्यस सर्वित्वशुरार्धिराववे वीं सामान्दार्भे वे विदेशवहण्यान्दा क्षेत्र

वहवाराग्री प्रदान्य राजें वा सेंदि त्यु भी प्रवासी सेंवारा सु सें या

दे त्रश्राचि क्वा श्री त्रश्राचि स्वराप्त्री स्वराप्त्री च्या स्वराप्त्री स्वराप्ति स्वराप्ति स्वराप्ति स्वरापि स्वराप्ति स्व

यर्ग मुन्देश किन्। या वित्य प्राया वित्य व

रे हे अप्रवादाष्ट्रम् वित्या अप्रेम्य वित्य वित

विवा दे दें निवे के रावार्ष निवा निवा के रावार्ष के रावार के

सबरः हैं 'वर 'रावे 'ह्या' यहत सुव 'र्ख्या राष्ट्री र 'र्ड् । यह 'र्ड् या र विष्ट्रा प्रत्य क्षेत्र क्

य्यायम् अत्यावित निर्मे यात्र प्राप्त स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य

५:५८:५अ:रोअर्थाणी:विस्यान्दिरान्त्र्नाः हुनःग्री:सर्गे से ५ सदः दशः ग्रह्मः प्रदे के राकें ग्रह्म सके व प्रह्म से प्रक्रिय के राय दे प्या प्रक्रिय नेते भूनशाशु त्रायु र्रेट र्कें सट रें या भी स्था कंता केत युट। अर्वे क्या मद्रायाया वयायायया ख्रायं वेदा क्षे कदा यदेरावः नश्रमाध्यायशायन्यायवे निःस्याळ्नाळे वा चुना नेयासा बनानगयः नकुर्भित प्रेनिव प्रम्म व्यापाय स्रम्भित विष्णाय से से सम्बिव प्र श्रीश्वातश्चित्रः वितः सर्देत्रः द्वो । श्रुवाश्वारः विवा । श्रुश्वारः विवा । श्रुश् शे कें ना परे नडंद नगद जर जराय जिल्ला शुःविगाःगीशानगायः नक्कुन् प्रदे । धीगाः कः वर्ने व व रे वे १ थे । व उन् पान्ना शुःविगाःगीशःनगायःनक्कुन्। सर्वे गावुनः न्द्राः यहे याः गावुनः विकान ने दे 'यमा' या नहन 'या के माका मानुमा हुन 'ग्री 'ग्रु 'यम् या प्रमा से ' श्रेवा

न्द्र-नगवानित्यान्ध्रम्य स्वानित्यान्य स्वानित्य स्वानि

मुलान्तराष्ट्रासाते 'न्यावाष्ट्रवासे 'ज्ञानयो 'के रार्चिया स्वेत 'क्षेत्र' क्षेत्र से 'ज्ञान 'क्षेत्र' क्षेत्र' क्षेत्र 'क्षेत्र' क्षेत्र' क्षेत्र 'क्षेत्र' क्षेत्र' क्षेत्र 'क्षेत्र' क्षेत्र' क्षेत्र

देश्यान्त्राद्ध्यः प्रत्यार्वे द्रायो व्या । त्रुष्या प्रत्या । त्रुष्या । त्र

सर्वित्रा तुर्वित्रा ययोर्वित्रा कुयार्वित्रा समार्वेत्रः प्रिते कुयार्वेत्रा समार्वेत्रः प्रिते कुयार्वेत्रः समार्वेत्रः सम्बद्धेत् । सम्बद्धेते । सम्बद्धेते । सम्बद्धेत् । सम्बद्धेत् । सम्बद्धेत् । सम्बद्धेते । स

त्रिते श्रृं व श्री न्वाय श्व श्रिं श्रा न्या श्री न श्रुं न से से श्री श्री स्व श्री स्व श्री श्री स्व श्री श्री स्व श्री श्री से श्री श्री से श्री

श्चे निष्ट । व्यान्य प्रत्य विष्ट विष्ट । व्यान्य विष्ट विष्ट । व्यान्य विष्ट विष्ट । व्यान्य विष्ट विष्ट । विष्ट विष्ट विष्ट । विष्ट विष्ट विष्ट । विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट विष्ट । विष्ट विष्ट

व्याप्त क्षा प्रति के साम तुन हिन से मान के मान के प्रति साम किया सि मान वर्त्तेम श्रुःलं /१९५०/लंदिः ह्याना यहारादे के यान कुन् हेव कुषाना नश्रव पहेंद्र कु अर्कें धे श में द्र ग्री कें श श्रे द्र ग्रिश ग्रादे द्रवद कर दिंश शु'निवेश ह्व'न'ने दु'मिडेम्'निदे के श'न दु'मिडेम्'हेन् से 'हू'यदे ह्व'स' त्र्रेयार्भित्या हैं व्य /१६५१/व्यक्षः हैं नाश्या हेव'मे'हेर'र्'दयद'स्व'म्री'भूर'यश्चर्यम्द्र्र'वश्चर'र्स्र्र'रयाद्यर वहिग्रास्त्रेन्द्रान्द्राने सर्वे देसावर्गे विन् सुद्राद्र स्तर्भे निन् वि नसः नरेटशादर्शियाद शुटावनशार्भेराशे श्रीशास बुदारेंदाळंदा नरुपार यासे माह्या या नर्गे मादि कें वा या वर्

বাৰব:শ্ৰুম:প্ৰিবা:প্ৰুবামা

ने हे अ से व सें 'के 'न् सें नि से 'हि 'व हे वा है वा साम र त के 'है र खे वा है वा साम र त के 'है र खे वा है वा साम र त के 'है र खे वा है वा साम र त के 'है र खे वा है वा साम र त के 'है र खे वा है वा साम र त के 'है र खे हैं र खे के 'है र खे के 'है र खे के 'है र खे हैं र खे के 'है र खे हैं र खे के 'है र खे हैं हैं र खे है

शुःगर्हेग्रश्यदे शास्त्र स्त्राह्म से त्या श्राण्य स्त्र से त्या स्त्र स्त्र

८.ज्.शूर्अ.ट्र्अ.पट्रें अथ.ग्री.श्रेंचश.श्री.पविच.विट.राष्ट्र.वि.व. भ्रे १५५ रावे १५विन क्रें दाया विना क्षेत्र रायम में नाय राय विना से नाय । मीर्था है पद्रिये द्विया हुरा प्रेषेद भी दिला स्था भी सामार्थ प्रमा ळुंवाची क्षें न्यानें न्यी श्रेन्ना न्यान्य न्यान्य स्थान्य श्रेन् क्षें न्यो व्या पु नव्यात्वयान्वेयायायायाः प्रत्ये यायायाः प्रत्ये गठिगाने भी त्याने निर्मा अध्या क्ष्या के ता निर्मा निर्मा अध्या के ता निर्मा निर्मा निर्मा अध्या के ता निर्मा निर् वरी निवाय खून में ज्ञर वी अवा न राज्या राज्य सम्बन्ध संस्था राज्य सम्मान महिरादे कुषाप्रमावदार्द्र भे से मारामावदायार्वे दा ययर्न्न मुन्न निवाले न व्यान मान्य म न्वे रामान्य उदायदा दते 'से 'न' ने 'से 'सें प्राप्त 'सें प्राप्त 'सें दि 'ह्रस' लेख' ग्री 'ह 'दर्ने ह 'हर 'हे र'

२०१६/५/५/१३

क्षेत्रभूत्राक्ष्यं क्षेत्रीतान।

शे.वु.श्वेर-रे.रेदे.श्वुः इत्य ग्री सहे या श्वा प्राप्त पार्श्व प्रथय रे.रे.वे। श्चे.ये.रर.रर.यो.रयाय.श्चे.कयाश्चार्या. कूर.या. कूर.यद.क्.यं.यं.र्या. थे. वर्धि नायानहेत्रत्रा शुरानवे । शुराके राष्ट्रा राष्ट्रा स्था श्चे न्याया क्षेत्र स्वाप्य मित्र स्वाप्य स्वा कनाशश्रूटानी केंद्राना प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् सत्र्व सेव देवा व रा हो र प्रवे रा रा रा से प्रवः हो र रे ते दे र र प्रवाप्तर नर्रेन सहेशन्दर्भे सहेश हुः स्यापेन् सेन् र्रेन्था सुर् यमा भे नुः हु । या हुन परे हु हया धेन भेन परे न भेन ग्री । कर वेगारंगासन्सूमा ने भी भी मार्श्वे वर्षोया थुर्जि विश्वे वर्ष्या प्रवे त्यर रहें प्रमा यार्शे वर्ष्यश ग्रीशास्त्रापिते क्षुं इया यह से न्तु क्षेत्र न विवाहें र यवा से द से हार यश्राभे गिरुमानी पर्दे दायवसाक्षाना द्वारान्य राज्य न्या वर्षे । ह्ये 'य'यरे 'धेव'र्र'रे सेव'शे क्या ग्विग हेग 'यवग से 'दें रापरा नव्यानी प्यट से द्या ४ व्हर्भ सम्ब क्षुया यो ४१ >

"तुःसःभ्रवःन ३८ से 'हें ग'गी 'खुर्यागी 'गर स्नुनर्याय 'सू भ्रम्न न्व्रस्यान्द्रः क्षेत्राय्त्रुः श्रेत्रायायाचेत्राः ग्रामः विष्यः श्रेष्ट्राः अनुन्दरः न्व्रस्याम् वास्याम् वास्यान्य विष्यान्य विषया वास्य विषया वास्य विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय इन्यत्रामहेन्यमें ''याश्रूर्यं प्रत्रामित्र भ्रेया बुद बुद दुर दुर वर्ष अर्था भेर्म के प्रमेद दुर या ध्रया या प्रमेश विव भ्रेव में या ब्रु:बॅदे:ब्रु:न्जुरशःग्री:दशुर:ब्रिग्शःरे:रे:वःर्रेव:ब्रुंट:जुर्शःकें:ब्रुद: श्रूट र्द्रियायो प्रदेश में विषय अर्थे द्र अर्थ र विषय अर्थे द्र अर्थ र विषय न्चर्यार्थे प्रह्मा हेव वया ह्या न्चर्यार्थे या हिन प्रदेश विराम्यया निमा हु: क्वः कें : श्रें ना ग्रांश्य पदेव पते ने : दुया श्रव श्रद : दूर : दूर ने ना में : त्र्र में 'भें रश्र हैं ग्रायद्य केंद्र प्रार था है सामा निवान था है सामें र दर्शे न'र्रा श्चेत्र्र्मेया श्चर्यित्वयाम्या यटार्के सहया श्चर्या श्चर्या यु न श्रें व क्षेत्र कर केंद्र कर केंद्र कर केंद्र या सहस्र पर केंद्र या सु न हे द त शें नर्स्य बर्व अवदः तः रूरं वी 'र्वे र्ना रूपं रा र्वे वा रा रा रो रा भूया र्वे । गर्राची अवरावस्य प्राप्त से लेगा महेराय श्री

ने र्रुषः श्चेत्रः में वाक्षः से दि त्तु र्र्या ग्रुष्ट्र राग्री या वि रे दि त्तुः श्चेता श्चुः इवा ग्रीः वहिगाःहेवःगाववःविगाः हुः विदः श्रॅटः नशः धिवा ने मान्दर नविव से मामिक सान्दरने के रानविव श्चेत में या खु से दि दग्नर य'न्सर'सन्दर्भ'कवार्भ'रादे 'सत्तर'र्केश नग्राविदार्वेद्राद्रावळेद्रानवे सेगा बुद्रा ग्रवगायह्यान्य उटा देटा नवे भू वे नर्डे खंदे र्ट्र हैं हैं नुदे रें से हो नगरायह्याग्राम्यासेवे सुन्तुवे तु बुर्। मझ्ते विन्याया सु नुते अकु क्वें या स्विटाक्षेयायवियायात्रयात्रीःभेटाया सहेशःविराधेर्द्रतेरानवेष्यरार्क्षेते। विर्मेगान्द्रत्ये भ्रेगागे सेंगश शुःशेस्रशाणेदःहे। सुःदेवे द्वद्रश्दरःहेवा है । पदः वे राधे सुनः यर्स्य वर्ते विर्वेर की से र्या में रावें रा ग्राम से विरा ने 'न्र्रा'न्दे 'के 'त्रु'र्शेग्'ग्राशुंश श्चेत 'र्गेय'शुं र्शेदे 'स्र्र्राणे 'ग्राम' स्रूनश'न्न' क्रयमायसूररे रेते समानु हिराळ्रानमारते भाषा रुगानुसान्

र्त्ते भे या भेष्ठ स्तर की भी स्वर्ध की स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्

विं अदि। श्रेश्वान्यश्चान्यः श्चेन्यः श्चेन्यः श्वेन्यः श्वेयः श्वेष्यः श्वेयः श्वे

श्चितः क्षेत्रः श्चितः स्थाः स्वाद्यः स्थाः स्य

श्रेश्वर्णियां विद्यान्त्र विवास्त्र विवास्त विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र

महासदी प्रदेश के के प्रदेश के प्रदे

ब्रेट दर्गे अप्य द्रायाद व्याय अर्थे व्याय विवायान्वयम्भः से स्वेरायम् सा वन्ते प्रवासी मान्या से निवाया से निवायाना सर्वे ने ने दे है न्द्र द्राय सु सर्वे दे पार्ने द पार्वे र गी ने पार्वे र गी ने पार्वे र गी ने पार्वे र गी ने म्यानुन्दर्भे मारी मानदया यहा मिर्से दे मुस्यान्हा यहा हैं। यह स्वान्हा न्वरमदे से दर्किया हे या सर्हे दा सर्वे राजुर या से सहदर हे नर वहर निव्या मिर्सिरे या स्टिसि यह से मान्य सुर स्वा मी क्रिस्य प्रमुर या क्ट्र-रु. शे. र्व. रावे. व. श्रूट्र-ट्र-शेट. क्रिया. वयाव. हें. क्रया. यहंव. श्रीया. ग्रुश. व। वःत्रीयान्त्राप्यीयान्याते । वे राष्ट्री द्रायार्मे यारा सहे राष्ट्री दास् वःश्रमायः विमामाया धेरः रु: वेरः नः विमा से : वेरः प्रशः विनः प्रशे : पर्रेरः यदे 'गुत्र र्ह्से ट 'दे 'धट 'दे 'व्या 'कट 'यदे 'क्स 'दशूर शे 'क्से 'दश दे 'विया थे ' नश्चरः वर्गः से दः द्यादः श्वी वा राष्ट्र वा मीश विदः केत्र द्राप्तिया हिंदा यादा विया मी विदः से दः वर्षे दः वर्षे दः वर्षे दः वर्षे दः वर्षे दः वःभ्रम्यायाकुःषास्यायानविवःभ्रवार्याषाःभ्रम्भित्रेतिःसुःन्तुरमायायरायानेः र्वेद खेंद से द त्य द्व स्त्री राष्ट्री निव के पित्र ने ते जी समार्श्विषा राज्य प्रेत । क्षेत्र में या खूर के वि सुर न्वर्यार्वेश्वर्राहेश्वरादेश्वराच्या रयारे विवायात्यात्रा

विगायासुर्व्याद्वर्र्यासुर्द्वयादेरानामविष्य्यानेयायाद्वा देख्या न बुदः ह्यु द्वुद्रशः श्रुः इत्यादी द्रशासी तुः श्रे दः रे दे प्रवेष्टि वर्षे द्वदः से दः र्अः स्टान्यं विष्यं वश्चरास्त्राकार्यरास्ट्रेंदे वर्धे वर्षे कार्ये कार्ये स्वादे करात्या विवा यशन्दरशहेशन्यविन्छिन्छिन्छि पर्के प्रदेखिन्। विप्यव्ययः व्यवश्रेन्यः वे.कर.रमाक्ष.येषु.प्रूपु.प्रूपु.रयेरमाश्चि.क्षयायी.४ममापयीर.रर यर केंद्रे पहें भ्रेग गे पर्धे पर्शे राज्य समय धेव सेव र्शे राग या प्री रा श्चेत्र्वेयः भ्रुर्विः विः रेयः रेयः ग्रीः भ्रेषा तुरः मुरः प्रभागक्षः भ्रूर्यायः परः श्चुं इया ग्री क्रिस्या शिन् प्रमा ठवा विवायन्त्र सहेया विनाधिन निर्देश बे 'हेंग'मङ्ग'विग'न्य'ग्रेश'मि ग्रे'न'न्र'रूट' अर्द्ध्रस्थ'मदे 'श्लें'द्र्य' श्रेषा बुर हो न न न सु भ्रम्मन या ग्राम् श्रेषा स्वर्म स्वर्भ सुन हो । मिलेशमाः कः कदः विवासदेवः श्रवा देवशायः वर्गायः स्ट्रिशः प्रवाः रातियः क्रेट्या गूयारा हुं क्रेट्या ती.य गुर्थ क्रेट्या सी.य हुं क्रेट्या यदःइग्रयायःपद्दःययः जुदेःद्वदःग्रीयः भ्रीः वियाययः देः रुयः जु

क्रम्थाक्ष्यं तिन्त्राच्या क्षेत्र न्या क्षेत्य क्षेत्र न्या क्षेत्र

2016/7/21/ইব্য



୴ୄ୕ୠୣୣୣୣୣ୕ୣୣୣ୷୳ୣ୷ଵୖୣ୶ୄୄୠ୳୷୷ୠ୕ୢ୕ୣ୷୷୶୴ୢୖୢଈୄ୕ ୶ଵଵୄ୳ଵୄ

ष्णः जुः नृः सः इस्र शः श्री राष्ट्र वि स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्र स्त्री स्त्र स्त्री स्त्र स्त्री स्त्र स्त्र

कुते अर्के ५ म र न के अ

षाकुन्नसम्बद्धाः मुन्द्रयाः श्रीतः स्वीत्राः हेत् स्वे । वासः र्वे । वहुन् कु उटा के निवे । वसः निवदः निवदः या

णाजुन्न्याम्बर्धाण्ये स्विष्ण्यम् न्याण्ये न्याया स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वय्यय स्वयं स्वयं स्वर्यान्य स्वयं स्वयं स्वयं

यार्जुन्न्यात्र्वरायाः । यार्जुन्न्यात्र्वरायाः । यार्ज्ञियाः विकासी व्याप्तियाः श्री मार्ज्ञियाः विकासी व्याप्तियाः ।

र्ने न्या के अप्तर्थ के स्थाय के स्था के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय

षामुन्द्रसम्बर्धा । विवादिक व

र्नेन्यः केंश्यः वर्कें नित्रे सूना नस्यान्यः सन्यारेन् केना पुः वर्नेन्।



३ सनसम्ब्रुमन्त्रम्य सम्बन्धनम्य सम्बन्य सम्बन्धनम्य सम्बन्य सम्बन्धनम्य सम्बन्यमन्य सम्बन्धनम्य सम्

यहंशःश्चीरःत्ररः तुराग्रीः अपशः श्चुवः अरः संविः धेरः श्चेवः वर्षेत्रः श्वा वितः यारशः ठवः पवेः त्रीः याश्चेवः अरः संविः वर्ष्याश्चः श्च्याः श्वः नर्तः श्चेयाः श्चरः वेरः श्वा

रे.भ्रेच.चे.लेजा

पर्चे से श्रे का विनास के प्रिंट्या विनास के वि

वर्तः न्याद्धः वर्षः याव्यः व्याव्यः व्याव्यः क्षः वियाः याद्धः व्याद्धः वियाः याद्धः वियाः वियाः याद्धः वियाः वियाः याद्धः वियाः याद्धः वियाः याद्धः वियाः याद्धः वियाः याद्धः याद्धः वियाः याद्धः याद्

"אביקאב" ने हेन ग्री लय दश रश्रे हिंदायात्रम्पदे यसानसूत्र हो। वर्पार्याया वर्षा भेषापर श्रीका। बेशन्द्र। रर'न्नर'श्रम्भाउन्'नरे'न'धेत्। ग्वित्र न्तर वस्य र उत् स्या स्य प्रेत्र विशामश्रद्धार्थः क्षेमानुसायदे 'द्या'त्य'त्युत्व 'प्रेद्रश्राष्ट्रय'देव 'बद'यी' वर गर्भेश देर गे र्ने र ग्री क्या विव ग्राप्त में दि । पाय गर्डि कुग्राके 'नदे "रूर्न्नर" वेर 'न'रे। वर्दे वयान्त्रन्ति हेर खेँद वा

यदे वर्षा नश्रुव निवा

श्रीय"वियायपदिया

कैंशन्न स्टन्न सेंग्राय स्टन्न स्या सेंग्रे विया न सूत्र न वित थेंना

क्षेत्रायदेशम्बर्धिः यस्यायः बुत्राक्षाः सेत्रः द्वरः पीत्रायः प्रम्यः व्यक्षितः यह व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्य बुत्राक्षः व्यवः वित्राक्षेतः सेतः यह स्मान्तः वित्राक्षः व्यक्षः वित्राक्षः वित्राक्राक्षः वित्राक्षः वित्

यहिराधिवारायारावियायास्त्रम्यराख्याः स्रीत्राच्याः स्रीत्य

भ्रेन्थ्या स्थान्य स्

क्षेत्रार्देत्रा अदे त्र ती 'रूट 'त्यह "ब्रथ्य 'उट "बेर 'यदे 'अट क्षेत्रा हे या क्षु त्रहें द 'रूट 'त्यह ।

र्केशन्त्रस्य न्वरः। वश्रस्र हिर्मेश्वरः वर्षः स्तरः न्वरः विष्यः स्तरः न्वरः विष्यः स्तरः न्वरः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषय

"दर्'सहस्र"

षर-दे-हेर्-ग्री-वयन्या

ररावी खुरायाद्ये ज्ञूराव्या मालव या मोर्चे प्राया हो प्राया हो प्राया डेशमदि किंगा नुसायने शागुन हिन मेन बन मी निम मो नेम भी नलेव भेरा क्षेत्रा पदी शकें श्रेत्रा पदा अवसादर। भ्रे मेग्रायद्रायह्यार्श्यार्थात्र्याय्यः यह यह या क्षेत्रा कें श्रेंग'न्द सें शें भें भेग राज्य श्रेंग राय दा सहसाधित सरा निय निनःके कुन्द्रन्त् अः भुग्राअः इगाः वदः श्रीः श्रीं वया गठिगाः गीर्यायियाः यन्तरमञ्जूरन्द्रज्ञ नर्गेयः श्रेष्यशात्रः कुः श्रेन्यरम् नि रदः हेन श्रीशामालव श्री प्रवर्गाणिया शुर्वे दिन से दिन यालव श्रीशासा प्रवर्गा

यान्तरात्रश्चरात्रात्रम् वर्षात्रात्रम् वर्षात्रम् वर्

ने हिन् ग्री अः सहन पदि 'न्स पदि 'के अप्तन्य नायश

न्यो प्रनुत्र सं विया ह्यें स्रूर मुं वे प्रतर या वेया श्राह्य नेवे कें राजें रा ८८ खुट नहे ५ से गुरु र्हे : ह्यू ५ : इस अ : यो विद : यः नर्डें ८ : द : यु ५ : क्रें व : या ८ : यु ४ : ५ यो : वर्त्रमाञ्चे प्रेमार्ग्यमान्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य क्षेत्राप्ति अ'र्धेन्या ह्यतः रेत 'बर'ती 'त्रा या से अ'रेट'ती 'द्रें त'रें 'र्ह्ने हु' विनः श्रेषा वश्या ग्राटः गुः देषा पः इस्र सः द्राट्य विसः तुत्रः गुतः गुतः गुरु । नविव मदे "न्यम्य गर्डे "नश्रुव नविव र्षे न वर्ते भी अर्न्ज् वर्षर्द्राच्यात्र विश्व क्षात्र क्षात श्रेमश्राची देव दमा के साकुर माशुस्रामार विमा ममा नरद दमें श्राचर। नेते वित्रामित्रामित्राम् भी भी निमाने सामन नुष्त्र साम स्थाने सामित्र न्सॅन'न्र'कें रान्सेंन'से 'न्सेंन'या'यो 'सें 'ने राम्र' सूर'यार'न्र' श्रीरा वग'नउर'शे केंग'मर'नश्रुत्।

2016-8-25-१व वापर विवादशास्त्र अर विवादशास्त्र विवादशास्त्र विवादशास्त्र विवादशास्त्र विवादशास्त्र विवादशास्त्र

विन द्वार में अगुन अन कु अन ने विष्ठे।

र्श्वनार्श्वान्यस्य सं र्ह्ण न्यायः ध्वान्यस्य सं र्ह्ण न्यायः ध्वान्यस्य सं रह्ण न्यायः ध्वान्यस्य सं रह्ण न्यायः ध्वान्यस्य सं रह्ण न्यायः स्वान्यस्य सं रह्ण स्वान्यस्य सं रह्ण स्वान्यस्य सं रह्ण स्वान्यस्य सं रह्ण सं रहण सं रह्ण सं रह्ण सं रह्ण सं रह्ण सं रह्ण सं रहण सं

र्यास्ययाः श्रीःके साम्दर्या सम्दर्ययाः स्वेषः स्वेदः श्रीः स्वित्रः स्वितः श्रीः स्वित्रः स्वयः स्वेदः स्वयः स्वेदः स्वयः स्

युर्नित्वित्यो श्वार्श्वेत्यवित्यो प्यार्थ सर्वे श्वर्षा प्राप्ति । स्वार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय्य स्वय्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स

য়ु'न'न्द्रसु'अ'ळॅंश। त्युर्रोद्देशन्त्रिं। द्युर्राधेद्र'न्द्रस्य ग्री'द्रिं। द्युर्राधेद्र'न्द्रस्य ग्री'द्रिं। द्युर्रासुग्राथ'रे देवे 'नर्द्राय प्रित् 'चेद्र' सेद्र' सेद्र'

यदे सूर र्वे अग्राट अद् क्रु से द्रायदे से रेग्य भी गाय रेग्य है । उंस विद्

विनानी महिन श्रूव र्चे अप्याधिव।

यदे न्ध्रम् ते अःग्रम् अप्तः क्षुः ये प्राये विष्यः विष्यः विष्यः क्षे न्ययः क्षे । ययः कष्

८ व्हें र र्हें त रें स श्रें य क्रुत रे या यात्र र ग्री या हे ८ श्रूत था या स हे १ विया । रया श्रें र प्रायोग स्वाया विवाय ।

2016-8-30-ঈব্য

कु'य'अद'ळें र'न'ॲद्

वर्ष्युद्राचानिष्णे प्याम्याकुष्याप्यदार्क्षेत्रः भेत्रार्ह्मेत्रः विष्युद्राचानित्रः विषयुद्राचानित्रः विष्युद्राचानित्रः विषयुद्राचानित्रः विषयुद्राचानित्रः विषयुद्राचानित्रः विषयुद्राचानित्रः विषयुद्राच्यानित्रः विषयुद्राच्यानित्रं विषयुद्राच्यानित्रः विषयुद्राचतित्रः विषयुद्राच्यानित्रः विषयित्रः विषयुद्राच्यानित्रः विषयित्रः विषयुद्राच्य १९८३/वॅरप्टर्प्स्तिं पेंप्तिं क्या मुप्ति हिर्मा मिर्मे प्रिमे मार्मे वर्ष्ययायाया स्टामेट सेट सेट मीया विचावह्या स्थापा सूर द्या कु'तुअ'ग्रान्यो हे'वर्षिर'तु'न्याव हैं अर्केंद्र'मवे ह्यु'न् वुर्श्य रे ग्रिंन वया ने स्था कु पी खुव कवाया यर येव स्नाय कु पी खुव कवाय थी. ग्राच्यायायाराङ्के त्रययाद्वायाहे यात्रयया ग्रीयाद्वाया साम्राच्या या बे 'हेंग'यन्न'नकुन'क्ष'तु 'वेग'यर'नु 'येव' श्रुन। ५:५५:श्रुॅं गर्दर्द्र ग्रेशः इवाया अर्क्षेत् ग्रेन् ग्रेश्चर्या गर्देद्र त्रा स् धी 'बुद 'कग्रर 'र्र 'येद 'भ्रूनर्य 'कु'धी 'बुद 'कग्रर ग्रर 'ग्रर 'र्येद ' ८८.क्याःचीयाःसूर्यःस्यःस्याःस्याःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः विगाधमः रुखे वः श्रुमा नेश्रासर्वेद्धन्यते धी मेन स्ता द्वा की सेन सेन नगतः देव के। यदे प्रमाकु धे अद्वाक्त मार द्वर दुर दुर विवा व्याक्र धे खुव ळग्रासरायेत्रभूत्रम्। क्षेत्रास्टास्टावी देशात्रम्पत्राद्यादात्र हर्र्भु त

र्श्वे निर्मास्य विष्य के विषय मार्मिश्याद्रायम्य निर्देगाने स्ट्रिम् नुस्ति ने ने ने स्टुर्भ का थी मो से मार्गि इस्रायगुराधेदायराजन्दाया कुःषार्क्षेरावाधेदायदे वश्चवाद्येदाग्या धेव'मर श्रा ५'वर्गम् बुर कु'धेर्गम् र मे मक्षे कुंय ५८ मा स्राह्म इससःविदःक्याराण्ये या ब्याराश्यः नर्गे नःदस्यः क्षेत्रः विराहितः वर्षेः नः भे मे न मान्य न न में न मान्य न न में में न मान्य न न में में न मान्य न न में में में मान्य न न में में में मान्य न न में में मान्य न में में मान्य न में में मान्य न में में मान्य में मान्य में में मान्य मान्य में मान्य मान्य में मान्य म ग्रीश्राग्यदार्थे क्रुशाददारदा ग्रुदाविश्वशाग्री विषया ग्री विषया । मार्चिन् हिंग्र भरेश। कु.लु.श.सु.दु.स्यायात्य वित्र श.वि. तशुनायात्य स द्या. ध. श्र. सूर्या के. तुरा श्र. श्रेष्ठ स्या श्री श्रेष्ठ श्रेष्ठ स्या श्रिष्ठ स्या श्रेष्ठ स्या श्रेष्ठ स्य न्यायाद्रमञ्जू स्था न्ये मन्द्रमः केंम् मन्यः ग्रद्रायम्भः नुर्से दाव्याग्रद्धः विदेशक्ष्याः स्वार्थः विदेशः स्वार्थः विदेशः स्वार्थः विदेशः स्वार्थः विदेशः अन्यादः केंद्रे से अयाप्ययाहे भी दात्र पहिंदा मुनाया निवा दात्र कुःधेश्वाह्यादेगाहे ग्राययानुगिर्दि मुन। दःक्वे गुन्नग्रादि गाया मर मर्शियामा रेगामाहे में निन्दाम्यारेगाहे म्याययायायमें नया सुर यर गुनि से र पुर प्रस्ति निर्मा से साम प्रमुन निर्मा

สัรา์ฏารุผผาสฐีราสที่ผาหูรุหาลุผู้รารสุ

नत्त्वाम्युयाहे न्तुः इत्याद्वेयाची त्यास्त्रयायात्वाय द्याः व्रहेयाची राम्याविया व्रह्मा व्यवस्था व्रह्मा व्यवस्था व्यवस्यवस्था व्यवस्था व्यवस

ŋ

न्त्रभाव ह्या हि साळ्टा के सा कुरावा शुसा ही से अं के कुरावा राविवा के स्थापन श्राप्त ही सा के स्थापन श्राप्त ही सा कि स्थापन श्राप्त ही सा स्थापन श्राप्त ही सा कि स्थापन ही सा कि स्थापन श्राप्त ही सा कि स्थापन ही

न्याने। न्यू क्रेनियम्बन्य पेन्यून क्षून मेन्यो यान्याय स्वाय क्षून ने नी'य'हे'नदे'न्द्र'य'हय'वग'य'र्रेग्राय'र्यान्ये न्यान्द्र'यदे'केट्'रु महिंद्र से श्रेमामडिमानश्चन पर्दा से देवे महिंद्र है द्रा हिंस हिंद यार में र र्याय मी प्रह्या श्वाप्य स्था सश्वर प्रश्ने य र्र से या स्था नक्ष्रात्रात्रात्रात्रात्र स्वात्रात्र विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया ळ्ट्राञ्च्रव रुंषा अश्वर श्री प्रद्या श्री ट प्रवे अपवर से ट्रायदे क्रायव रें केव द्रमभ्य भाषा के राव भाषा केंद्र प्रविष्ठ प्र उदःनबदः। र्देःवतुष्ठःददःहें द्रसःष्ठसःश्रेःश्रेष्वशःश्रेशःविदःधुषाःषः गर्हिर'निभेग'र्क्षन'केव'नेबें'निवेद'र्धिर'मश'देवे'यशख्याश्रम्थादे'निश्चूर' व से नवर रया वर केंश्राया क कुशा पा प्रवाद शासे पा के पा हिए हैं पा से पा से पा के शासे पा हिए के शास ड्याशी म्यार्थ त्याय त्या हेव स्ट्रिं मा पर्ट्य मे पर्ट्या वर्ष हे त्या स्ट्रिं

ड्याची:ग्रान्द्रात्यादायादेश्व स्ट्रिंग्यायाद्र्यायादेव स्त्री स्ट्रिंग्य स्रान्ते स्त्रात्यायात्र स्त्रात्यात्र स्त्रात्यायात्र स्त्रात्य स्त्र स्त्रात्य स्त्र स्त्र

वर्षि केर्र्र्घ्यायात हैं स्वाहित स्टूर्या व्ययस्यहे हा स्वा

श्चन मदी क्या हु के शाद्मिन में न से न

सह्याः कर ने प्येव व या प्रवादिक स्थाः भे स्थाः भे स्थाः भे स्थाः भी स्थाः

द्याः भे याद्राद्या स्थाः प्रत्या स्थाः प्रत्याः स्थाः स्थाः प्रत्याः स्थाः प्रत्याः स्थाः प्रत्याः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स

श्रुव्यामाद्याद्याः वेद्याः वेद्याः विव्याधितः विव्याधितः विव्याधितः विव्याधितः विव्याधितः विव्याधितः विव्याधितः

3

म्ब्रास्त्र के न्या निवास के न्या के न

यह्मान्नीर प्रस्ति क्षेत्र क्

प्रकारित्ति स्थित्ति स्थिति स्थ

भे भूर न भें गुरा वा प्यत पें त पें न सारे न इं न त रा ने र न वित से न

क्कॅ्रिन'अनि'क्केन'क्कॅनक'न्नन'ने'क्कि'किक'नेनन'।

इस्र-निर्मे । उद्यासिर-निर्मे । स्राप्त निर्मे । स्राप्त स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्व निर्मे । प्रदेश सिर-भिर-तुन । ग्री । से प्रमे । स्वाप्त । स्वाप्

न्याय: न्द्रः श्रेष्ट्रिंग्या शुरु । न्द्रा

स्य निया के स्वास्त्र के स्वास

धिव 'ध्यर सेट 'र्नेव 'से 'सर्ड्र स्था 'सर्वे 'त्रेव 'स्वे र सेट 'स्वे र स्था 'रेव ' ग्वस्थ 'या व्या हे वा गो 'दे 'स्व 'स्वे 'सेव 'सेव 'सेव 'स्वे 'स्

त्रः स्वरः श्रृंव सः न्दः वे द्रा स्वरः श्रृंव स्वरः वे दः श्रृंव स्वरः स्वरः

यार विया यो शःश्चें नः सः न्दः श्चें नः या विष्टः श्चें नः या विष्टः श्चें नः या विष्टः श्चें नः श्चें नः श्चे न भू र व शः हे । सः व कें वः वन शः न्दः र नः ने । सुनः न ग्या वा शः शुदः श्चें नः ग्चे । केन्द्रः श्चें नः विनः वन शः श्वाः ने निवान विवः नश्चनः व ।

न्दे 'लेश'रेग'गे 'कु'र्केंन्'न्यव'यदे 'न्गे 'म्व'र्केंश'लेग 'हु'नश्या र्ह्हें गहेंन्'र्व'या

निश्चित्राची 'बेल' भुवाश्वाशे श्व्व 'बेट 'श्व्या' तश्वा 'ची 'दि 'सुट 'श्वेट 'श

न्यावित्र प्रक्षेत्र स्थाये स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स

2016-9-10-हेन्।

अभिनामा निष्या निष्या

इर से निन्द ने नि शे राम्य से मान्य से नठन्यार्ड्याय्यमः कुरानक्षान्वाद्यस्थे भेषा विन्देशया विन्द्र केर नश्री मार्थि दें दिन नमा कुर कुर रे वमा नवर पदि के र र सुमाश न्युम्बर्यस्य न्युम्बर्धः नर्गे बर्यानः नर्जे वित्रिः सुन् सेन् सि नवदःक्ट्रान्टा विस्राक्ट्राची 'दमायावर्' द्वारायसासी 'देगासान्ट्राकुया विचारी दिवादवाता के किया के दान स्वास्त्र विचारी है। दिवासी विक्षेत्र ने 'वे 'वें न' ग्री ' तुन' से न' सवा के माया श्रुव 'से मार्ज 'पिन' सदे ' श्रिन' के सामेना धीव थार विंद कें श केंद्र निविद सदि दें व कुर दे श वि अ कर दर दर थे। रेग्राम्मान्याम् क्रियान्य मिन् क्रियान्य क्रिया क्रिया क्रिया स्थान स्थान विगार्सेराजेरानां नरासें रहासेंदे सें प्रायानु नरासा सुरा नरासा प्राया क्ष्याक्षार्था हो दाले भी यात्र मुर्ग या मुस्यया ग्राट ही विया हो देवाया दर कुलापना विसाळदासटार्से विमापायर्षे रात्मा यर्षे रात्मा दिना निस्त हुर या य प्येत्।

य'सुय'य'सुय'नदि'षे न'यतु'न्गर'सैं।

नर्भे प्रमायाय प्रमाय मित्र मित्र मित्र स्थर्थ ग्राम् क्षे के मित्र मित

गवतः ने रः नुश्रः र न्यशः न्य र श्रीः त्र व तः श्रीः नि श्रीः न्य र र र र र र भीः से नाः कुः न र र ह्यः कुः वि स्याः त्र स्याः यात्र स्याः यात्र स्याः यात्र स्याः यात्र स्याः यात्र स्याः यात्र स्याः स्यः

दे से दार अप्यास्त्र विवासी स्वाध्य के अप्तास्त्र विवास के स्वाध्य के स्वाध्

सक्त से सु सुस के त में में मार्ने मार्ने मार मार्न मार मार्न मार मार्न मार्ग मार्न नःयम। न्नःसेस्रमःग्रेःग्लॅन्द्रमःवद्येनःनःनङ्गनःनविदःधेगःनुगःसःहेः न्या हु सो र अपिव विया से प्रत्या क्या स्ट मी स्रुस कुर से प्रेरे पहुर वश्रेव ने निष्ठे वया भेगा गहेया है। तुः श्रूर त्या निर्धे या हेरा न यश हैं किंगशरी प्रमेण हुं अन्तर ग्रायर प्रमुर हैं न गरें न्द नावरा ननरा अर्कें व रावे रे न रावि न रावि न राव भूव स यदु सु अदे अर्घेट में या वया रशा द्या र में अं अपव विया ग्राट भे वर्ग हेत् सूर हर दर कुल विच की सर्वे रेस से सूर समय ल दर नगर सेंदि सर्केन पर त्या प्रविव नगर नशु न्द न्यो अ क्षेत्र नर्जे पर यथा केंग्रान्युः र्रोग्राग्रानुषाकेतायान्गे नदी यथायान्नियात्या न्ग्रेशः क्रॅवः नर्जे साम्बः विगाः भे वन्गः।

धेगाः हें रश्रः ग्री मात्रशायशाय सराय दें दा ग्री हों हों हो तरा गा पा ना ना दरशा शु न्द्रासं ग्राव्य त्याक्षासं गा बेरायर्ने न्याक्षाया बेराया ने प्राप्त स्था विष् नर्गे अः सरः अः वनः फः प्यनः सं विनाः में 'नर्गे अ। व्यः मनः रे 'नरः वः म्बर्भे त्या मुन्द्र व्याया गुरुष्मे अस्त्री क्षुत्र वे वा वे विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के व धेव'यशर्शे। हिंद्रा श्री अर्दे व र्वा यदि रक्षा र्वे वा रार्दे र शुः धेव र वे अर वर्दे द रव अहआ से द वर्षापाउट स्रुक्ष संदि रहा सुमार्का है स्यासे दाया सह या दादा पाई दा नेशम्भा हे नदे कें पदे न्याद्य ध्याय से सूद ह्वा सर में विया यी सर दे हिंग सर् स्टारीया नग्रान्येन प्रान्या स्वान्य स श्रूर भेग नग्र अप्टर हैं के या ग्रु अर्दे र सेंट । हैं अर्दे र सेंट । 2016-9-1-ঈব্য

न्तुः है ने श्हेन श्हेन श्होन न

श्रेंगाः ध्वाःशुः धेवः धरः श्ले शः श्राः वर्गाः तुः स्टः हेटः यः यर्दे सः नगवः नवेः न्यादः र्स्चियाश्वा थीः भूष्यः विया निष्या यान्यर्गवर्वरे से केंद्रे यर या सुंग्राया नेपा ५-५८-शुश्रागुदावर्गेवाश्राक्षे मुनामदे ५६-भुवाश्रागुः गुःनारे भिन्यां ने र्श्वेरासेट्रा धीव'धार'न्वाव'र्स्चेवार्य'न्र-'न्र-'र्स्चेवार्य'नेवे'रेकेन्'न्र सेव्येव'र्स्चेव'र्स्य'र्से' 551 क्रमशंकेद भी भु भवग यन्दा केवा श्री कुर यही या नृहा ग्रिशकेत्गीः केंन्वि स्यान्द्रमाहेत्रहेदे ने न स्यान्या हिन्यम्यावस्यायम् में यदे विनःसेन्य नेन्। हिन् ग्री अर्म्स मी न्याय हिंगा अर्ने वे केन् न्या हे अर्भवे के हें मान्य।

सहस्यायदे या बुवासा श्रुव रावे रा नर्डशक्षेत्रमु कु ह्या वहेगा हेव श्री वर्के मावशा श्रे 'ध्रय'र्गी 'से 'प्यमा क्ष्र्रासेर्गी पहुँसासर्ह्या द्रस्थायार्डरायी विया क्रुत्। तिः श्रुया यो सळद सूर्वा বার্বা'উৎ'ব্রহ্ম'মর 'ক্র'বা सूत्र विदः यहे नर्भः मदे भे भूदः। गहेत्रहेते अहत नहें सँग्रास भें न कर्त सभा भें न कर् वस्र राज्य वर्ष कर सार्चे राजित है । सुर के प्राय के स्वर कर व्याप यावे आधि श्रेट श्रें नशा ग्रें में में में मार्थे वार्थे व क्रं क्रुन्रश्री ग्रेंग्रश्वग्रश्वायश्याद्यायश्चर प्रात्रायश्चर प्रात्र विवायश्चर प्रात्र विवायश्चर प्रात्र विवायश्चर विवायश्य विवायश्चर विवायश्य विवायश्य विवायश्चर विवायश्य विवायश्य विवाय व र्रे त्यार्श्वेश्वर्ग्युश्चरित्र्ये निष्ट्रे न्यायः श्रियाश्वाने त्या हिन् ग्री ।

त्रुः कें र्श्वेग गशुस्र ५८ । न्त्रिया द्रिया या श्रुया सुरुष्टमाधिन्यासुरुष्ट्र र्त्ते स्ट्रीट से सरा ग्रास्य स्ट्रास्य स श्रुं से अंशे अंकर निया नेशकें सःसदे खराद्रा मिनेवः हे दे 'धुवा स्रद्यःसर्द्रः श्री 'याशुस्र श्री 'तु 'ध्रया' दक्र्यःश्वे 'ग्राध्यःश खुव वया यी वही या हेवा वहेग्रांभेटःभूग्रांभवे नरःदे। मिर कुर मी खुल मिराया स्र्वा विवास दें स हे ५ ५ ६ ५ ५ ५ १ मुल ही कर से वास वार ५ ५ ५ ५ छ र हिंदिया वि'यर्ग्नेन्'न्र्यंग'कु'भ्रेन्'भ्रेग'न्र'न्य'भ्रेन्'म'र्नि'र्ने अ'वेश हिंद्रा शेर्पाय हिंगाय दें गया मार्थ प्राप्त स्वापाय हैं ग

यार क्षेत्र न्याय सुयाक न्दर न्दर सुयाक ने वे के न न्या के का सवे के सुया ८८.५२४.२५.१५५.मुध्यामार्थ्यामार्थ्य । क्ष्यामार्थ्य । क्ष्यामार्थ्य । क्ष्यामार्थ्य । मक्षे हिंदा शेषा विश्व विष्य विश्व विष्य व व्यापासे प्राये से प्राये से प्राये हमसामासे दाये पार्से द श्वासा क्राप्य से प्रायय पर क्षेत्रश्रासे न्यते न्याव श्रुन्। त्रायां से दायते 'द्राय 'द्रा र्देसरामासे न्या प्रमान हें वा से मारा मी सर्वेद में न्या मारा से स्वार्थ के स्वार्थ में स्वार्थ के स्वार्य के रशरे वा ज्यमज्रम्भरावी क्षेत्रमणे दक्षेत्र प्राप्ते वा प्रमेरा न व्या यो थें ना

2016/2/28/ৡব্মর্শিন্ত্রণ 2016/2/29/ৡব্রুণ

र्रेभ भेग भी श्री श्री । वर्षे भन्य स्था



